गरम जली

किसे बताऊँ, कहाँ मैं जाऊँ?

गरम जलेबी, कैसे पाऊँ?

केसे करके, उसे में खाऊँ?

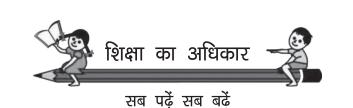
> केसे कोई, जुगत लगाऊँ?

मम्मी को मैं, कैसे मनाऊँ?



कविताः द्रोण साहू चित्रांकनः निलेश गहलोत



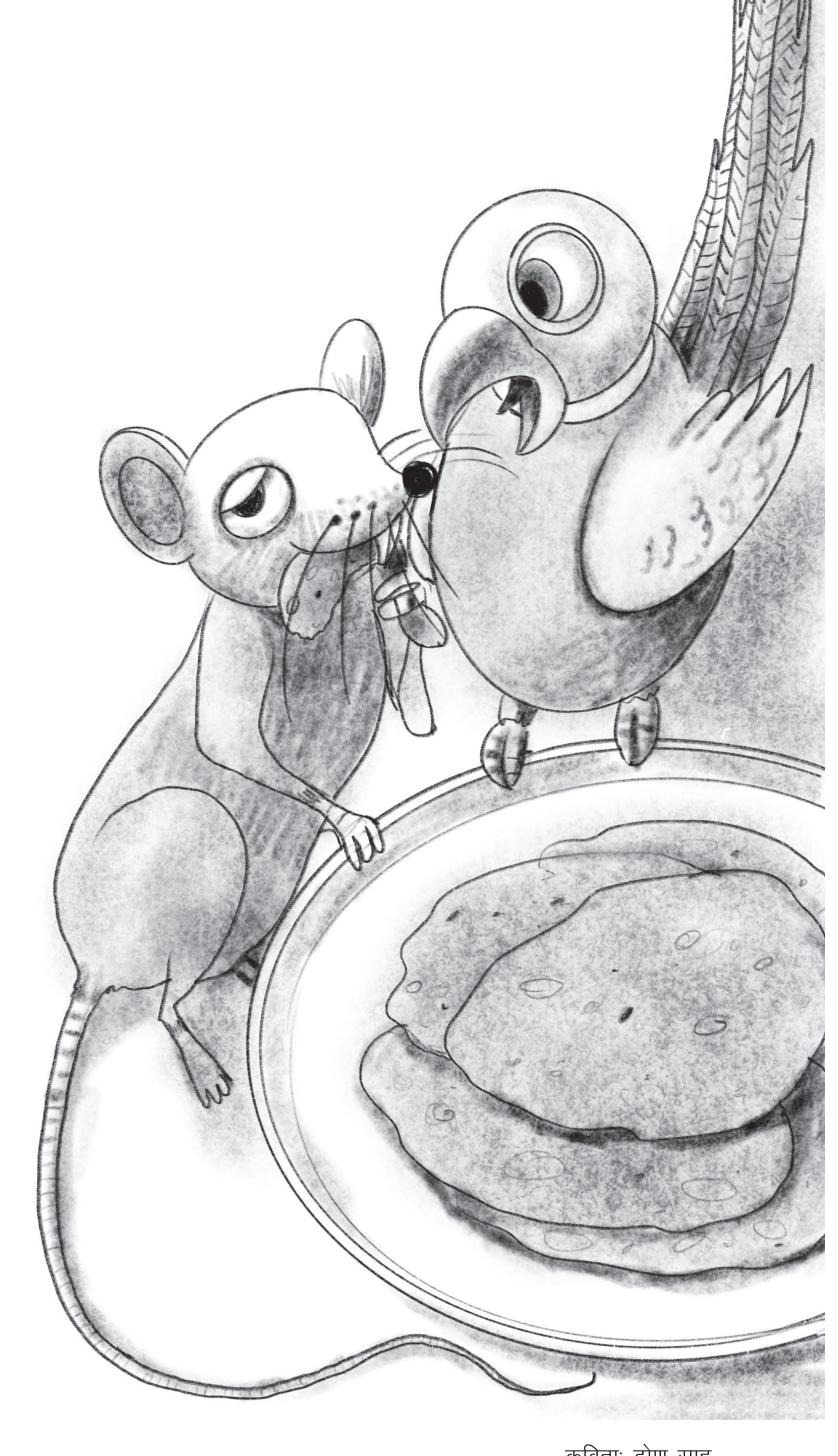


## त्व वेता

चूहा बोला, ओ सुआ! मुझको तुमने, क्यों छुआ?

> सुआ बोला, ओ चूहा! छू लिया तो, क्या हुआ?

आ खाएँगे, मिलकर दोनों, मालपुआ।



कविताः द्रोण साहू चित्रांकनः निलेश गहलोत



